न्यूज डायरी

पीओके में चोरी–छुपे सैन्य एयरबेस बना रहा पाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। भारत के खिलाफ अपनी युद्धक तैयारियों को मजबूती देने के लिए पाकिस्तान स्कार्दू में एक नया एयरबेस बना रहा है। इस एयरबेस का इस्तेमाल पाकिस्तानी एयरफोर्स भारत के खिलाफ कर सकती है। हालांकि पाक की हर एक चाल पर भारतीय खुफिया एजेंसिया कड़ी नजर बनाए हुए हैं। हाल में ही ली गईं सैटेलाइट तस्वीरों से पाकिस्तान के इन नापाक मंसूबों का खुलासा हुआ है। इस तस्वीरों को ओपन सोर्स इंटेलिजेंस एनॉलिस्ट क्मजतमेि ने जारी किया है। बता दें कि हंदवाड़ा मुठभेड़ के बाद से ही पाकिस्तानी एयरफोर्स ने एलओसी के पास अपने एफ–16 और जेएफ–17 लड़ाकू विमानों को तैनात कर दिया था। पाकिस्तान को डर है कि भारतीय सेना एलओसी पार कर नए सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दे सकती है। इसी के डर से उसने सीमा पर हवाई गश्त को भी तेज कर दिया है।

इमरान के 90 फीसदी ट्वीट भारत विरोधी, पाक पीएम की इस सनक को समझिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान के पीएम इमरान खान पर भारत को लेकर सनक सवार है और इसकी पुष्टि उनके सोशल मीडिया पोस्ट से हो जाती है। अगर उनके ट्वीट को गौर से देखें तो वह सिर्फ भारत विरोधी प्रॉपेगैंड रचना में लगे रहते हैं। वह भारत के खिलाफ लगातार फर्जी वीडियो और फोटो शेयर करते रहते हैं जिसने वैश्विक स्ट्रैटेजिक विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा इमरान के सोशल मीडिया हैंडल का विश्लेषण किया गया है जिसमें पाया गया है कि उनका 90 फीसदी ट्वीट भारत पर केंद्रित रहता है जिसमें वह सिर्फ भारत के खिलाफ नफरत उगलते हैं। ऐसा लगता है कि इमरान खान किसी फोबिया से ग्रस्त हैं और वे भारत विरोधी प्रोपेगैंडा के लिए ट्विटर का इस्तेमाल करते हैं। आर्टिकल 370 को हटाए जाने के बाद से इमरान का सारा ट्वीट कश्मीर पर केंद्रित रहा है और इस चक्कर में वे भारतीय सेना का फर्जी वीडियो भी पोस्ट करते रहे हैं।

कोरोना से लड़ने के लिए जरूरी है भारत–अमेरिका के बीच मजबूत सहयोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी ने भारत–अमेरिका के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता को दर्शाया है। संधू ने प्रतिष्ठित भारतीय–अमेरिकी वैज्ञानिकों के साथ गुरुवार को हुई ऑनलाइन बातचीत में कहा, श्कोविड–19 ने हमें पहले से कहीं अधिक सहयोग की जरूरत महसूस कराई है। हमारे राष्ट्राध्यक्षों ने चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक समन्वित प्रतिक्रिया पर जोर दिया है, जबकि हम इस संकट का सामना करने के लिए घरेलू क्षमताओं को भी मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। राजनयिक ने इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत की अमेरिका के साथ पुरानी साझेदारी है।

कोमा से निकलते पत्नी की मौत का पता चला, खुद भी तोड़ा दम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस की वजह से पति–पत्नी की मौत की दुखद खबर सामने आई है। दरअसल, यहां के मेरिलैंड में एक नर्सिंग होम में काम करने वाले 69 वर्षीय लॉरेंस नोक्स को कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। इस दौरान वे कोमा में चले गए। 10 अप्रैल को कोमा से बाहर आने पर उन्होंने सबसे पहले अपनी पत्नी मिनेट नोक्स के बारे में पूछा। पहले डॉक्टर और उनके परिवार वाले पहले सच बताने में झिझक रहे थे, लेकिन जब नोक्स परेशान होने लगे तो उन्हें सच बताया गया। उनकी बेटी ने बताया कि लॉरेंस के अस्पताल जाने के बाद मिनेट की 7 अप्रैल को उनके 72 वें जन्मदिन से एक दिन पहले दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। उनकी मौत के बाद जब जांच की गई, तो पता चला कि वह कोरोना पॉजिटिव थीं।

चीन को सबक सिखाने के लिए अमेरिका का प्लान 18

कई सीनेटरों ने प्रतिबंध लगाने के लिए संसद में पेश किया विधेयक

गुस्सा

■राष्ट्रपति को मिलेगा चीन की संपत्तियों को जब्त करने, यात्रा संबंधी प्रतिबंध लगाने, वीजा रद्द करने का अधिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका। कोरोना वायरस की संक्रमण से जूझ रहे अमेरिका में चीन के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा है। कई अमेरिकी नेता चीन के ऊपर संक्रमण संबंधी डेटा को छुपाने और जांच में सहयोग न करने का खुलेआम आरोप भी लगा चुके हैं। इस बीच अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने चीन की सरकार को कोविड–19 वैश्विक महामारी का कारण बनने वाले उसके झूठ, छल और बातों को गुप्त रखने की कोशिशों के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने को लेकर 18 सूत्री योजना सामने रखी है। भारत के साथ सैन्य संबंध बढ़ाना इस योजना का एक हिस्सा है।

चीन ने जानबूझकर फैलाया वायरस

सेनेटर थॉम टिलिस ने चीनी प्रशासन

की आलोचना करते हुए कहा कि वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने दुर्भावनापूर्वक कोरोना वायरस को फैलाया है जिससे लाखों अमेरिकी पीड़ित हैं। यह ऐसा देश है जो अपने ही देश को लोगों को डिटेंशन कैंपों में कैद कर रहा है और हमारे सहयोगी देशों के संप्रभुता के खिलाफ धमकी दे रहा है।

चीनी सरकार से मुआवजे की भी मांग: इस योजना में चीनी सरकार से मुआवजा मांगने तथा वायरस के बारे में झूठ बोलने के लिए उस पर प्रतिबंध लगाए जाने का सुझाव दिया गया है। सांसद टिलिस की योजना में ट्रंप प्रशासन से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से औपचारिक तौर पर अनुरोध कर बीजिंग से 2020 शीतकालीन ओलंपिक वापस लेने की अपील भी की गई है।

चीन को बनाया जाए जवाबदेह: सेनेटर ने कहा कि अमेरिका के लिए यह जागने का समय है। मेरी यह योजना चीनी सरकार को कोरोना वायरस के बारे में झूठ बोलने के लिए जवाबदेह बनाएगी। इसके जरिए अमेरिकी लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा और अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान की भरपाई के लिए चीन पर प्रतिबंध भी लगाया जाएगा।

मित्र देशों से सैन्य सहयोग बढ़ाए अमेरिका: इस योजना के अंतर्गत पैसिफिक डिटरेंस इनिशिएटिव नाम के एक कार्यक्रम के शुरू करने की मांग की गई है। जिसमें 20 बिलियन डॉलर के सैन्य साजो–सामान की फंडिग भी अमेरिका की तरफ से की जाएगी।

भारत को दे स्टेट ऑफ द ऑर्ट हथियार: इसके अलावा सेनेटर ने भारत, ताइवान और वियतनाम को स्टेट ऑफ द आर्ट सैन्य उपकरणों के बिक्री को मंजूरी देने की मांग भी की है। उन्होंने अपनी योजना में यह भी कहा है कि चीन में मौजूद सभी अमेरिकी मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों को अपने देश वापस लाया जाए। सेनेटर ने अमेरिकी राष्ट्रपति से अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपने सहयोगी देशों से भी ऐसे ही प्रतिबंध लगाने के लिए कहना चाहिए।

घर लौटी डॉक्टर से पड़ोसी कर रहे बुरा बर्ताव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बगदाद। इराक में कोरोना मरीजों के साथ कैसा सलूक हो रहा है इसका एक उदाहरण हाल ही में सामने आया है। यहां डॉक्टर मारवा अल–खफाजी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में रहकर 20 दिन के बाद घर लौटीं। लेकिन लोगों ने उनके घर के बाहर बैरिकेड लगा दिया। पड़ोसियों का संदेश साफ था कि वह उन्हें नहीं अपना सकते। मारवा भले ही वह कोरोना वायरस से ठीक हो गई हों, लेकिन समाज में इस बीमारी को लेकर स्टिग्मा बरकरार रहा है।

मारवा कोरोना मरीजों के इलाज में खड़े फ्रंटलाइन वॉरियर्स में से एक हैं। उन्हें यह देखकर बहुत बुरा लगा कि जिस जगह उनका बचपन गुजरा वहां के लोग उन्हें देखकर किस तरह परायों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

मारवा का संघर्ष इराक की स्वास्थ्य व्यवस्था की कहानी कहता है। जहां अस्पतालों में सुविधाएं नहीं, मेडिकल स्टाफ अज्ञात बीमारी से डरे हुए हैं और संक्रमण से सामाजिक भेदभाव का भी सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, इराक में लोग स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा नहीं करते और वहां कोरोना बढ़ने की सबसे बड़ी वजह यह भी है। डॉक्टर बताते हैं कि लोग अपनी बीमारी छुपाते हैं और मदद नहीं मांगते।

'वंदे भारत मिशन' से वतन लौट रहे अकबरुद्दीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के अस्थायी प्रतिनिधि रहे सैयद अकबरुद्दीन श्वंदे भारत मिशनश के तहत स्वदेश लौट रहे हैं। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन लगे होने के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक है और इसलिए 30 अप्रैल को कार्यकाल समाप्ति के बाद भी वह स्वदेश नहीं लौट पाए थे, लेकिन अपनों की स्वदेश वापसी के लिए चलाए जा रहे स्पेशल मिशन के तहत अकबरुद्दीन भी भारत लौट रहे हैं। अकबरुद्दीन संयुक्त राष्ट्र में भारत का पक्ष मजबूती से रखने के लिए खासे चर्चा में रहे हैं। संसद हमले के दोषी मसूद अजहर को ग्लोबल टेररिस्ट घोषित करवाने में अकबरुद्दीन की भूमिका बेहद अहम मानी जाती है।

खुलासाः सागर के रास्ते भारत को घेर रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

माले। भारत चीन सीमा पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पिछले एक सप्ताह के भीतर सिक्किम के नाथुला और लद्दाख में भारत–चीन की सेनाओं के बीच एलएसी को लेकर धक्का–मुक्की हुई। जिसमें दोनों देशों के कुछ जवान जख्मी भी हुए। वहीं, भारत को चारों तरफ से घेरने की कोशिश में लगे चीन ने हिंद महासागर में अपनी नौसैनिक गतिविधि को भी बढ़ा दिया है।

हिंद महासागर में कृत्रिम द्वीप बना रहा चीनः हिंद महासागर में चीन भारत से 684 किलोमीटर की दूरी पर एक कृत्रिम द्वीप का

अरब सागर को अगला साउथ चाइना सी बनाने की तैयारी में चीन

निर्माण कर रहा है। साउथ चाइना सी के तर्ज पर हिंद महासागर में नए द्वीप का निर्माण कर चीन सीधे तौर पर भारत के सामने सामरिक चुनौती पेश कर रहा है। हाल में ही सैटेलाइट तस्वीरों से चीन के इस नापाक चाल का खुलासा हुआ है। इन तस्वीरों को ओपन सोर्स इंटेलिजेंस एनॉलिस्ट क्मजतमेि ने जारी किया है।

द्वीप पर पिकनिक मानने जाते थे लोगः मालदीव ने थ्मलकीवव थ्पदवसीन द्वीप को 2016 में एक चीनी कंपनी को लीज पर सौंपा था। पहले इस द्वीप पर बड़ी संख्या में मालदीव के लोग और स्कूली बच्चे पिकनिक मनाने जाया करते थे। हालांकि, 2016 से 2020 के बीच में इस द्वीप का चीनी कंपनी पर्ल एटॉल ने बहुत विस्तार कर लिया है।

बिना लीगल टेंडर के चीन को सौंपा द्वीपः मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने बिना किसी टेंडर के अपने कार्यकाल के दौरान 2016 में थ्मलकीवव पिदवसीन समेत 16 द्वीपों को चीनी कंपनियों को लीज पर दिया था। अब चीन इन द्वीपों पर बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस द्वीप में इतने बड़े पैमाने पर चीन द्वारा धन के निवेश के पीछे भारत को घेरने की साजिश है।

सोशल डिस्टेंसिंग का अनोखा प्रयोग, स्वीमिंग पूल नूडल्स से बना लिया हैट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। जर्मनी में एक कैफे ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनूठा तरीका निकाला। उसने स्वीमिंग पूल नूडल्स से खास हेडगियर बनाया है जो ग्राहकों को कुर्सी पर बैठने से पहले पहनाया जा रहा है। इस नूडल्स के कारण सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अच्छे से हो रहा है। जर्मनी में कोरोना वायरस से करीब 8 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। शेवरिन इलाके में मौजूद कैफे में लोग स्ट्रॉ हैट्स पहने दिख रहे हैं जिसमें दो स्वीमिंग पूल नूडल्स लगाए गए हैं। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। ऐसा ही हेडगियर चीन में एलिमेंट्री स्कूल के बच्चों के लिए बनाया गया था ताकि वे क्लास में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर सकें। जर्मनी के कैफे की तस्वीर फेसबुक पर लोगों द्वारा खूब पसंद की जा रही है। लोग इसे बेहद इनोवेटिव बता रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब किसी देश ने सोशल डिस्टेंसिंग पर कोई अनूठा प्रयोग किया हो, इससे पहले सिंगापुर में भी लोगों को घरों में रहने के लिए प्रेरित करने के लिए रोबॉट का इस्तेमाल किया गया था जबकि अमेरिका में लोग प्लास्टिक के बबल्स के साथ घूमते देखे गए थे।